S.No.102 Sub.Code : 4035 B.A. Second Year (New-Private) Hindi Lit.I

Department of Higher Education,Govt of M.P

Under graduate semester wise syllabus

As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम

केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019

सत्र –2018–19

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	प्रथम
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	अर्वाचीन हिन्दी काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 x नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 निर्धारित कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा अज्ञेय तथा मुक्तिबोध की रचनाओ से तीन व्याख्यांश

मैथिलीशरण गुप्तः

1. सखि वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा से)
2. दोंनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से)

जयशंकर प्रसादः

1. बीती विभावरी जाग री
2. शेर सिंह का शस्त्र समर्पण

सूर्यकान्त त्रिपाठी निरालाः

1. जागो फिर एक बार
2. तोडती पत्थर

माखनलाल चतुर्वेदी

1. कैदी और कोकिला
2. हिमकिरीटिनी

महादेवी वर्मा

1. मै नीर भरी दुख की बदली
2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ

स.ही.वा. अज्ञेयः

1. कलगी बाजरे की
2. बावरा अहेरी

मुक्तिबोधः

1. सहर्ष स्वीकारा है
2 मूल गलती

इकाई–2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियाँः भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा , छायावाद और छायावादोत्तर काव्य : प्रगतिवाद एवं नई कविता।

इकाई–5 द्रुतपाठ – भारतेन्दु हरिशचंद्र, भयानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यन्त कुमार

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए
सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 42$_{1/2}$ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2$_{1/2}$ अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42$_{1/2}$

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्या – (कुल तीन व्याख्याएँ कमशः 4$_{1/2}$+4+4 अंकों की)	=12$_{1/2}$ अंक
		कुल अंक 42$_{1/2}$

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।
अंक विभाजन–

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4 =12 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2 =18 अंक
	ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 X 3 =15 अंक
		कुल अंक 60

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगें।

निर्धारित पुस्तकः अर्वाचन हिन्दी काव्य –म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate semester wise syllabus
As recommended by central board of studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019
सत्र –2018–19

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	द्वितीय
Title of paper/	:	**Hindi Bhasha&Sahitya Ka Itihas aur Kavyang Vivechan**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 % नियमित
		50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ , विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा , राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा

इकाई–2 हिन्दी शब्द भंडार, हिन्दी का शब्द स्रोत – तत्सम , तदभव, देशज एवं विदेशी शब्दावली, तत्सम और तदभव का अंतर , पारिभाषिक शब्दावली ।
हिन्दी के प्रमुख व्याकरणाचार्य –कामता प्रसाद गुरु एवं किशोरी दास वाजपेयी का अवदान।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियाँ।

इकाई–4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास –भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग । छायावादोत्तर युगीन नाटक एव अन्य गद्य विधाएँ

इकाई–5 काव्यांग विवेचन –रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द – दोहा , सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 42½ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2½ अंक त्रैमासिक , 06 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42½

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– टिप्पणी – (कुल तीन टिप्पणियाँ क्रमशः 4½+4+4 अंकों की)	=12½ अंक
		कुल अंक 42½

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।
अंक विभाजन–

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4 =12 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(नौ–नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2 =18 अंक
	ब– टिप्पणी – (पांच–पांच अंकों की कुल 3 टिप्पणियां)	5 X 3 =15 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगें।

निर्धारित पुस्तकः हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।